No. of Printed Pages : 3

BSKE–141

स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम

(BAG SANSKRIT)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी. एस. के. ई-141 : आयुर्वेद के मूल आधार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड करना अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5×15=75

(क) आयुर्वेद में प्रतिपादित स्वास्थ्य के मूलभूत सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।

(ख) ग्रीष्म ऋतु के अपथ्य पर लेख लिखिए।

(ग) आयुर्वेद की पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

(घ) चरक संहिता (सूत्रस्थानम्) का सामान्य परिचय अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) हितकर आहार क्या है ? आहार के विभिन्न घटकों की व्याख्या कीजिए।

(च) भृगुवल्ली में प्रतिपादित विषय तथा इसमें वर्णित पहले, दूसरे और तीसरे अनुवाक पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ब

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : 3×5=15

(i) छान्दोग्योपनिषद्

(ii) वसन्त ऋतु में अपथ्य

(iii) आयुर्वेद में रोग परीक्षण की विधियाँ

(iv) आयुर्वेद में रोग के मूलभूत सिद्धान्त

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

अन्नं ब्रह्मेति व्यजानात्। अन्नद्धयेव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। अन्नेन जातानि जीवन्ति। अन्नं प्रयन्त्यभिसंविशन्तीति तद्विज्ञाय पुनरेव वरूणं

पितरमुपससार। अधीहि भगवो ब्रह्मेति। तं होवाच। तपसा ब्रह्म विजिज्ञासस्व तपो ब्रह्मेति। स तपोऽतप्यत। स तपस्तप्त्वा।

अथवा

विज्ञानं ब्रह्मेति व्यजानात्। विज्ञानद्ध्येव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। विज्ञानेन जातानि जीवन्ति। विज्ञानं प्रयन्त्यभिसंविशन्तीति। तद्विज्ञाय पुनरेव वरूणं पितरमुपससार। अधीहि भगवो ब्रह्मेति। तं होवाच। तपसा ब्रह्म विजिज्ञासस्व। तपो ब्रह्मेति। स तपोऽतप्यत। स तपस्तप्त्वा।